जन्म शताब्दी समारोह

सहज विवाह आयोजन

जन्म दिवस पूजा 2023

द लाइफ इटरनल ट्रस्ट, दिल्ली

दिल्ली सहज विवाह समिति

22 मार्च 2023

निर्मल धाम

जय श्री माताजी,

सहज योग की यात्रा में वर्ष 2023 हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष है। हम अपनी प्यारी श्रीमाताजी के 100 वें जन्म दिवस को बड़े धूमधाम से मनाएंगे जिनकी कृपा से हमारा जीवन खुशियों से भरा हुआ है। इस विशेष अवसर पर हम दिल्ली में सहज विवाह समारोह का आयोजन करेंगे। पिछले साल दिल्ली सहज विवाह समिति का गठन इस उद्देश्य से किया गया था ताकि इस समारोह का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जा सके।

यह एक शुभ समारोह है तथा हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि आप इसमें पूरे उत्साह से भाग लें। साथ ही हम इस टीम के लिए आपके प्रेम, स्नेह और समर्थन की कामना भी करते हैं। सभी से अनुरोध है कि इस पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढें और इसे अधिक से अधिक संख्या में सहज योगियों को परिचालित करें ताकि सभी लाभान्वित हो सकें।

क. परिचय

परम पूज्य श्रीमाताजी ने सहज योगियों के कल्याण के लिए सहज विवाह की संकल्पना का सूत्रपात किया था ताकि वे ध्यान की परिपूर्ण स्थिति में एक सामान्य गृहस्थ जीवन का निर्वाह कर सकें। पहले श्री माताजी स्वयं सभी आवेदनों को देखती थीं तथा विवाह हेतु प्रत्येक जोड़े का चुनाव करती थीं। इसी का परिणाम है कि आज हम बहुत सारे आशीर्वादित सहज परिवारों को न केवल अपने आसपास तथा अपितु विश्वभर में देख सकते हैं।

यह कहने कि कोई जरूरत नहीं है कि यह एक शुभ आयोजन न केवल उन सहज योगियों तथा सहज योगिनियों के लिए है जिनका सहज विवाह होने वाला है अपितु पूरी सामूहिकता के लिए भी एक शुभ आयोजन है।

प्रस्तुत पुस्तिका में विवाह समिति की अपेक्षाओं तथा मूल आवश्यकताओं को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तिका देश / राज्य / नगर / केंद्र समन्वयकों की अपेक्षाओं और समर्थन को भी स्पष्ट करती है।

हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप एक प्रार्थी के रूप में आवेदन करने से पहले तथा अंतिम सिफारिश के लिए एक समन्वयक के रूप में हस्ताक्षर करने से पहले इसे ध्यानपूर्वक पढ़ लें। इस पुस्तिका में चुनाव प्रक्रिया की मूल विधि, विवाह की घोषणा तथा विवाह में पहले तथा बाद की अनुवर्ती विधि का भी वर्णन है।

ख. सहज विवाह प्रक्रिया

सहज विवाह एक ऐसा विवाह है जिसे आदिशक्ति के समक्ष विधिविधान से संपादित किया जाता है तथा यह एक आध्यात्मिक विवाह है। सहज विवाह पूर्ण रूप से एक सामूहिक प्रक्रिया है जिसमें हम सभी विभिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। इस विवाह आवेदन फॉर्म पर हस्ताक्षर करके तथा सहमति देकर आपसे अपेक्षा की जाती है आपने इस पुस्तिका में वर्णित सभी शर्तों तथा विधियों को समझ लिया है तथा इन्हे स्वीकार कर लिया है।

किसी भी शंका निवारण अथवा पूछताछ के लिए कृपया विवाह समिति से निसंकोच संपर्क करें। हमारा आवेदकों से यह अनुरोध है कि यदि वे इस विवाह के लिए स्वयं ही विश्वस्त नहीं हैं अथवा उन्हे विवाह की प्रक्रिया या रीति को लेकर कोई शंका है तो बेहतर होगा कि वे फॉर्म न भरें।

जोड़ों के मिलान तथा सामूहिकता में इनकी घोषणा के बाद, डीएसएमसी का काम केवल सहज-रीति से विवाह अनुष्ठान सम्पन्न करवाने तक सीमित रहेगा। जोड़ों की घोषणा को डीएसएमसी का अंतिम निर्णय नहीं समझा जाये। उनसे अपेक्षा है कि वे सोच-समझ कर एक स्वतंत्र निर्णय लें। प्रार्थियों से

अपेक्षा की जाती है कि वें भली भांति सोच-विचार के पश्चात ही सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करें। इस संबंध में उनका निर्णय ही अंतिम है।

सहज विवाह एक तय विवाह है, यह एक प्रेम विवाह नहीं है। इस विवाह के लिए जोड़ों का मिलान चौतन्य लहरियों के आधार पर किया जाता है। सहज योग में विवाहों का संपादन योगी तथा योगिनी के विभिन्न मापदंडों को देखकर किया जाता है तथा स्क्रीनिंग समिति चौतन्य लहरियों के आधार पर अंतिम निर्णय लेती है।

चौतन्य लहरियों के आधार पर जोड़ों का मिलान किया जाता है तथा सामूहिकता के समक्ष इनकी घोषणा की जाती है। जोड़ों को मिलने तथा एक दूसरे को जानने के लिए कुछ समय मिलता है। विवाह को लेकर वे अंतिम निर्णय लेने में पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं। यदि वे अपने जोड़े को लेकर विश्वस्त नहीं हैं तो वे इस निर्णय अथवा अपने जोड़े को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं हैं।

सभी चयनित प्रार्थियों को एक अग्रिम सूचना दे दी जाएगी ताकि वे अपना यात्रा कार्यक्रम बना सकें लेकिन जोड़े के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं दी जाएगी।

ग. विवाह समिति

श्रीमाताजी अपने साकार स्वरूप में, स्वयं जोड़ों का चयन करती थीं अथवा वे इस शुभ कार्य में उनका सहयोग करने वाले सहज योगियों एवं सहज योगिनियों द्वारा चयनित जोड़ों पर अपनी स्वीकृति प्रदान करती थीं। अब श्रीमाताजी से हमारी प्रार्थना है कि वे अपने निराकार स्वरूप में इन विवाहों को आशीर्वादित करें। सहज विवाह में सहज योगियों एवं सहज योगिनियों का एक समूह सहज-रीति से इस शुभ संस्कार को संपादित करता है।

सभी प्रार्थियों को स्पष्ट शर्तों में बताया जाता है कि वे अपनी बुद्धि को संतुष्ट करने लिए उपलब्ध सांसरिक साधनों में लिप्त न हों। अतीत में देखा गया है कि कुछ आवेदकों ने जोड़ो की घोषणा के बाद ज्योतिष-शास्त्र, भौगोलिक स्थिति, जाति, धर्म तथा वित्तीय हालात जैसे सांसारिक कारणों से अपने जोड़े को ठुकरा दिया।

सभी समन्वयकों से अनुरोध है कि वे न केवल बारीकी से जानकारी की पड़ताल करें अपितु संलग्न फॉर्म में ईमानदारी से अपनी राय लिखें जिससे विवाह समिति को निर्बाध निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुविधा मिल सके। समन्वयक को चाहिए कि वो अंतिम टिप्पणी में किसी प्रार्थी को अस्वीकार करने में कोई संकोच न करे यदि वह पाता है कि प्रार्थी प्रतिबद्ध नहीं है और उसे सुधरने में समय लगेगा। ऐसे मामलों में सूचना को ड़ीएसएमसी के पास गोपनीय रखा जाएगा।

घ. समन्वयकों के लिए परामर्श

सभी समन्वयक, जो फॉर्म पर हस्ताक्षर कर रहे हैं उन्हे बहुत सावधानी से आवेदन फॉर्म में प्रार्थी द्वारा दी गई सूचना की जांच करनी है। सहज योगी अथवा सहज योगिनी को शायद इस दैवी-विवाह की जटिलता का आभास न हो किन्तु हमें बड़े होने के नाते, जैसे एक परिवार का मुखिया होता है, यह हमारा दायित्व है कि हम उन्हे बताएं कि सहज विवाह के पश्चात जिस नई यात्रा में वे निकलने वाले हैं उसमें ईमानदारी का कितना महत्व है।

सभी समन्वयकों से अनुरोध है कि वे सहज विवाहों के सिद्धांतों तथा मर्यादित-आचरण (प्रोटोकॉल) के बारे में प्रार्थियों को बताएं। किसी शंका के मसले पर प्रार्थी को श्रीमाताजी के उपदेशों का संदर्भ देना उचित होगा।

सभी समन्वयकों से अनुरोध है कि वे ये सुनिश्चित कर लें कि आवेदक कम से कम तीन साल से सहज योग में हो तथा पिछले दो साल से स्थानीय केंद्र में नियमित रूप से दिखता रहा हो। इस संबंध में किसी भी तरह की ढिलाई न बरती जाये। समन्वयक को यह भी सुनिश्चित करना है कि प्रार्थी नियमित रूप से ध्यान केन्द्रों पर जाता रहा है तथा सहज योग की गतिविधियों में ईमानदारी से भाग लेता रहा है। आवेदक के साथी-गणों से उसके बारे में मिली जानकारी भी कोई राय लिखने में तथा सहज विवाह के लिए उसे स्वीकार अथवा अस्वीकार करने के अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचने में बेहद महत्वपूर्ण है।

सभी प्रार्थियों को स्पष्ट शर्तों में बताया जाता है कि वे अपनी बुद्धि को संतुष्ट करने लिए उपलब्ध सांसरिक साधनों में लिप्त न हों। अतीत में देखा गया है कि कुछ आवेदकों ने जोड़ो की घोषणा के बाद ज्योतिष-शास्त्र, भौगोलिक स्थिति, जाति, धर्म तथा वित्तीय हालात जैसे सांसारिक कारणों से अपने

जोड़े को ठुकरा दिया। सभी समन्वयकों से अनुरोध है कि वे न केवल बारीकी से जानकारी की पड़ताल करें अपितु संलग्न फॉर्म में ईमानदारी से अपनी राय लिखें जिससे विवाह समिति को निर्बाध निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुविधा मिल सके। समन्वयक को चाहिए कि वो अंतिम टिप्पणी में किसी प्रार्थी को अस्वीकार करने में कोई संकोच न करे यदि वह पाता है कि प्रार्थी प्रतिबद्ध नहीं है और उसे सुधरने में समय लगेगा। ऐसे मामलों में सूचना को ड़ीएसएमसी के पास गोपनीय रखा जाएगा।

ङ. आवेदक के लिए परामर्श

विवाह आवेदन फॉर्म को कई भागों में बांटा गया है। इसके पीछे मंशा यह है कि अधिकतम जानकारी प्राप्त हो ताकि प्रारम्भिक छंटनी पारदर्शी हो सके। इससे विवाह समिति को फॉर्म -प्रक्रम में एक स्पष्ट दृष्टि प्राप्त होने में मदद मिलेगी। आवेदक द्वारा आवेदन फॉर्म में भरी गई सूचना को समन्वयक द्वारा अभिपुष्ट किया जाएगा। सभी आवेदकों को यह समझना जरूरी है कि समन्वयक विवाह समिति का एक महत्वपूर्ण विस्तार है तथा बगैर समन्वयक की सिफारिश के विवाह समिति अपने से आगे नहीं बढ़ेगी।

फॉर्म के सभी भाग तथा कॉलम महत्वपूर्ण हैं तथा आवेदकों से अनुरोध है कि वे उन्हें उचित रूप से भरें तथा सभी अपेक्षित दस्तावेजों को संलग्न करें ताकि इन्हे आसानी से स्वीकार किया जा सके। इस विवाह प्रक्रिया के सकारात्मक परिणाम के लिए हमें प्रतिबद्ध होना चाहिए। एक सहजयोगी अथवा सहजयोगिनी के रूप में हमें चाहिए कि सहज योग में तलाक की स्थिति न आने पाये। तलाक की स्थिति कोई अच्छी बात नहीं है। यह हमेशा दुखदायी होता है तथा घिनौना तक बन सकता है। ऐसी स्थिति उत्पन्न न होने पाये इसके लिए हमें आवेदन फॉर्म में किसी भी असपष्ट सूचना से बचना होगा।

इसी तरह घोषणा के बाद प्रस्ताव को स्वीकार करते हुये हमें सभी पहलूओं की जांच-पड़ताल स्पष्ट रूप से करनी चाहिए तथा इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जिम्मेदारी लेने का अर्थ यह है कि हमने पूरी प्रकिया पर विश्वास किया है। यह हमारी आस्था को पुष्ट भी करता है कि अंतिम निर्णय तथा परिणाम श्रीमाताजी का ही आशीर्वाद है।

अंततः यह एक दैवी-कार्य है तथा हमें विवाह-प्रक्रिया को हल्के में नहीं लेना चाहिए, इसकी गहनता-गरिमा को समझना होगा ।

च. जोड़ों की घोषणा

प्रार्थियों से प्रारम्भिक स्वीकृति को सत्यापित करने से पहले, जोड़ियों की सार्वजनिक घोषणा दिनांक 18 मार्च 2023 को की जाएगी, जैसा कि परंपरागत रूप से श्रीमाताजी की उपस्थिति में की जाती थी। जोड़ियों की घोषणा के बाद, युगल आपस में मिलेंगे तथा उपलब्ध समयावधि के भीतर आपस में बात करेंगे तथा विवाह समिति को अपने निर्णय से अवगत कराएंगे।

घोषणा के बाद यदि कोई असहमति की स्थिति बनती है तो उन्हे चाहिए कि वे साथ आएं और विवाह समिति को इसका कारण बताएँ। ऐसे मामलों में विवाह समिति उन्हे बाध्य नहीं करेगी तथा व्यक्ति के निर्णय का सम्मान किया जाएगा। तीसरे पक्ष द्वारा स्वीकृति अथवा अस्वीकृति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक बार विवाह का निर्णय ले लेने के उपरांत उन्हे नए सहज विवाह पंजीकरण फॉर्म के साथ विवाह कार्यालय में पंजीकरण करना होगा।

छ. समयसारणी

1.	1 जनवरी 2023	वेबसाइट पर फॉर्म अपलोड होगें और परिचालित होगें।
2.	7 फरवरी 2023	फॉर्म भरने की अन्ति तारीख
3.	8 से 14 फरवरी 2023	फॉर्म की छंटनी
4.	1 मार्च 2023	प्रार्थियों को उनके फॉर्म स्वीकार किए जाने पर सूचित करना।
5.	7 मार्च 2023	जिन प्रार्थियों की जोड़ी बनेगी उन्हें सूचित करेंगे ताकि वे अपना यात्रा कार्यक्रम बना सकें।
6.	18 मार्च 2023	तय जोड़ियों की घोषणा
7.	22 मार्च 2023	विवाह समारोह

ज. विवाह समिति

- अध्यक्ष – परम पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी
- उपाध्यक्ष- श्री नरेश पाल सिंह
- ट्रस्ट प्रतिनिधि – श्री रोहित खन्ना (ट्रस्टी- द लाइफ इटरनल ट्रस्ट, दिल्ली)
- भारत के अन्य दस राज्यों से नामित सदस्य

इसे पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद। इस शुभ कार्य में हम आपके सहयोग तथा प्रार्थनाओं की कामना करते हैं। किसी पूछताछ अथवा जानकारी के लिए आप हमें **sahajmarriages@gmail.com** पर संपर्क करें।

जय श्री माताजी

भवदीय

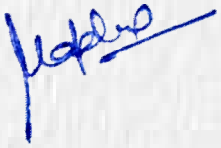

नरेश पाल सिंह
उपाध्यक्ष,
दिल्ली सहज विवाह समिति
सी-17, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली -110016
+91 9863228863